विशेष उपलब्धियां:

डॉ आशा गांधी

१. 2002 में विश्व स्वास्थ संगठन द्वारा "महामारी विज्ञान एवं जैव सांख्यिकी" फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
२. नवंबर 2003 में शैक्षाणिक उत्कृष्टता के लिए एकीकृत चिकित्सा के वर्ल्ड एसोसिएशन द्वारा 'एकीकृत चिकित्सा के वर्ल्ड एसोसिएशन के फेलोशिप ' से सम्मानित किया गया।
३. ग्लोबल ओपन यूनिवर्सिटी नागालैंड द्वारा अप्रैल 2010 में आयोजित विश्व स्वास्थ्य दिवस और बिना दवाई के चिकित्सा पर वर्ल्ड कांग्रेस के अवसर पर 'स्वास्थ्य शिक्षा और विकास पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।
४. दिसंबर 2014 में डॉ आशा गांधी को श्री सत्यपाल सब्बरवाल नामक जीवन पर्यंत की सेवा का पुरस्कार लेडी हार्डिंग चिकित्सा महाविद्यालय के अलूमिनी एसोसिएशन में योगदान हेतु दिया गया।
५. डॉ आशा गांधी विश्व स्वास्थ संगठन द्वारा वित्त पोषित प्रोजेक्ट " एकीकृत योग प्रथाओं बनाम कन्वेंशन चिकित्सा उपचार का स्वास्थ्य विकार के प्रबंधन के लिए एक तुलनात्मक मूल्यांकन अध्ययन" के मुख्य अन्वेषक थे। परियोजना में मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग एंड नेचरोपथी एवम विश्व स्वस्थ्य संगठन के डब्लू॰आर॰/इंड टी ॰आर एम॰ 001 जी , एस॰ ई॰/95 /232944) (1996 -1999) का सहयोग था.
६. 2014 में लेडी हार्डिंग चिकित्सा महाविद्यालय एलुमिनी एशोसिएशन के निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ सुनीता मंडल

१. विश्व स्वास्थ संगठन द्वारा वित्त पोषित प्रोजेक्ट " एकीकृत योग प्रथाओं बनाम कन्वेंशन चिकित्सा उपचार का स्वास्थ्य विकार के प्रबंधन के लिए एक तुलनात्मक मूल्यांकन अध्ययन" के सह अन्वेषक थे (परियोजना में मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग एंड नेचरोपथी एवम विश्व स्वस्थ्य संगठन के डब्लू॰आर॰/इंड टी ॰आर एम॰ 001 जी , एस॰ ई॰/95 /232944) (1996 -1999) का सहयोग था
२. 2007 में एलर्जी और इम्यूनोलॉजी में अनुसंधान के लिए डॉ गौरी बजाज मलिक अनुसंधान अनुदान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

2004 में हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय पोषण संस्थान में आयोजित वार्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम "अन्तःश्रावी ग्रंथि तकनीक और उनके इस्तेमाल" के विषय में प्रशिक्षण को पूरा किया।